www.prepp.in

Exam dt: 02-10-21 (E)

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 32

Sub: Sanskrit-II

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या / Question Paper Booklet No. 8238457

APCE-12

Paper - II

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है। इसमें कोई भिन्नता हो तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Paper Booklet the candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Paper Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है।
6. **OMR** उत्तर-पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है। किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
6. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

1. वीररसो भवति –
(1) गौरवर्णः
(2) नीलवर्णः
(3) पीतवर्णः
(4) कृष्णवर्णः

2. "अवस्थानुकृतिर्नाट्यम्" इति लक्षणमभिहितमस्ति –
(1) भरतेन
(2) धनञ्जयेन
(3) धनिकेन
(4) अभिनवगुप्तेन

3. सानुबन्धं प्रासङ्गिकमितिवृत्तं कथ्यते –
(1) बीजम्
(2) बिन्दुः
(3) पताका
(4) प्रकरी

4. पताकाप्राप्त्याशायोगात् सन्धिर्जायते –
(1) मुखसन्धिः
(2) प्रतिमुखसन्धिः
(3) गर्भसन्धिः
(4) विमर्शसन्धिः

5. "नर्म" इत्यनेनाशयो वर्तते –
(1) संरब्धं वचः
(2) परिहासवचः
(3) अनुनयवचः
(4) रोषभाषणम्

6. प्रकरणे नायिकाः भवितुमर्हन्ति –
(1) केवलं कुलजाः
(2) केवलं वेश्याः
(3) कुलजाः वेश्याः च
(4) एताः सर्वाः

7. "वीथी" इति रूपकभेदे वृत्तिर्भवति –
(1) सात्वती
(2) आरभटी
(3) भारती
(4) कैशिकी

8. "वक्रोक्तेरलंकाररूपत्वात्" इति प्रतिपादयता विश्वनाथेन खण्डनं कृतम् –
(1) कुन्तकस्य
(2) वामनस्य
(3) आनन्दवर्धनस्य
(4) भामहस्य

9. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" इति काव्यलक्षणमस्ति –
(1) अभिनवगुप्तस्य
(2) मम्मटस्य
(3) विश्वनाथस्य
(4) जगन्नाथस्य

10. विश्वनाथेन लक्षणाया भेदाः स्वीकृताः सन्ति –
(1) षट्
(2) चत्वारिंशत्
(3) षोडश
(4) अशीतिः

11. साहित्यदर्पणानुसारं रसो वर्तते –
(1) सविकल्पकसंवेद्यः
(2) परोक्षः
(3) अपरोक्षः
(4) अलौकिकः

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

12. "सोऽयमिषोरिव दीर्घदीर्घतरोऽभिधाव्यापारः" इति मतमस्ति –
(1) धनिकस्य
(2) प्रभाकरस्य
(3) भट्टलोल्लटस्य
(4) महिमभट्टस्य

13. "सौगन्धिकाहरणम्" इत्युदाहरणमस्ति –
(1) भाणस्य
(2) व्यायोगस्य
(3) डिमस्य
(4) समवकारस्य

14. अधोलिखितेषु प्रतीयमानभेदो नास्ति –
(1) अलङ्कारध्वनिः
(2) वस्तुध्वनिः
(3) वाच्यध्वनिः
(4) रसध्वनिः

15. आनन्दवर्द्धनानुसारम् अपह्नुतिदीपकयोः वाच्यस्य भवति –
(1) अप्राधान्यम्
(2) प्राधान्यम्
(3) तिरस्कृतिः
(4) अनुयायित्वम्

16. अधोलिखितेषु रामायणेन प्रेरितं काव्यमस्ति –
(1) महावीरचरितम्
(2) शिशुपालवधम्
(3) किरातार्जुनीयम्
(4) बालभारतम्

17. रामस्य वनगमनकथा वर्णिता वर्तते –
(1) बालकाण्डे
(2) अयोध्याकाण्डे
(3) अरण्यकाण्डे
(4) किष्किन्धाकाण्डे

18. रामायणस्य वैद्यनाथविरचिता टीका वर्तते –
(1) रामायणतत्त्वदीपिका
(2) रामायणदीपिका
(3) रामायणतिलकम्
(4) रामायणभूषणम्

19. विश्वामित्रवसिष्ठयोराख्यानं विद्यते –
(1) बालकाण्डे
(2) अयोध्याकाण्डे
(3) अरण्यकाण्डे
(4) उत्तरकाण्डे

20. "जाते जगति वाल्मीकौ कविरित्यभिधाऽभवत्" इत्यभिहितमस्ति –
(1) राजशेखरेण
(2) विज्जिकया
(3) क्षेमेन्द्रेण
(4) भोजेन

21. आनन्दवर्द्धनानुसारं रामायणे मुख्यरसो वर्तते –
(1) वीररसः
(2) शान्तरसः
(3) करुणरसः
(4) विप्रलम्भशृङ्गारः

22. ययातेराख्यानं वर्णितमस्ति –
(1) बालकाण्डे
(2) अयोध्याकाण्डे
(3) अरण्यकाण्डे
(4) उत्तरकाण्डे

23. शतसाहस्रीसंहितेति नाम्ना प्रथितं वर्तते –
(1) भारतम्
(2) महाभारतम्
(3) पद्मपुराणम्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

24. महाभारते पञ्चमं पर्व वर्तते –
(1) विराटपर्व
(2) अरण्यपर्व
(3) उद्योगपर्व
(4) भीष्मपर्व

25. रामोपाख्यानं महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि विद्यते ?
(1) उद्योगपर्वणि
(2) भीष्मपर्वणि
(3) अनुशासनपर्वणि
(4) वनपर्वणि

26. महाभारतस्य "भारतार्थप्रकाशिका" टीका वर्तते –
(1) देवबोधकृता
(2) वैशम्पायनकृता
(3) विमलबोधकृता
(4) नारायणसर्वज्ञकृता

27. "इतिहासपुराणाभ्यां वेदं समुपबृंहयेत्" इति प्रसिद्धकथनमस्ति –
(1) ब्रह्मपुराणस्य
(2) पद्मपुराणस्य
(3) अग्निपुराणस्य
(4) महाभारतस्य

28. "जगतः प्रागवस्थामनुक्रम्य सर्गप्रतिपादकं वाक्यजातं पुराणम्" इति वचनमस्ति –
(1) शंकरस्य
(2) सायणस्य
(3) महीधरस्य
(4) उव्वटस्य

29. पद्म पुराणे श्लोकसँख्या विद्यते –
(1) 11000
(2) 14500
(3) 24000
(4) 55000

30. पुराणेषु श्लोकसँख्यादृशा बृहत्तमं पुराणमस्ति –
(1) पद्मपुराणम्
(2) स्कन्दपुराणम्
(3) कूर्मपुराणम्
(4) ब्रह्मवैवर्तपुराणम्

31. निम्नलिखितेषूपपुराणमस्ति –
(1) स्कन्दपुराणम्
(2) कूर्मपुराणम्
(3) विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्
(4) ब्रह्मवैवर्तपुराणम्

32. पुराणस्य पञ्चलक्षणेषु नास्ति
(1) सर्गः
(2) विसर्गः
(3) प्रतिसर्गः
(4) वंशानुचरितम्

33. श्रीमद्भागवतपुराणे "रासपञ्चाध्यायी" विद्यते –
(1) सप्तमस्कन्धे
(2) नवमस्कन्धे
(3) दशमस्कन्धे
(4) द्वादशस्कन्धे

34. विद्वत्समवाये "विश्वकोश" इति नाम्ना प्रथितं पुराणमस्ति –
(1) स्कन्दपुराणम्
(2) अग्निपुराणम्
(3) मार्कण्डेयपुराणम्
(4) शिवपुराणम्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

35. "दण्डनीतिरेवैका विद्या" इति मन्यन्ते –
(1) मानवाः
(2) बार्हस्पत्याः
(3) औदुम्बराः
(4) औशनसाः

36. कौटिल्यानुसारं ब्रह्मचर्यं भूमौ शय्या जटाजिनधारणमग्निहोत्राभिषेकौ देवतापित्रतिथिपूजा वन्यश्चाहारो धर्मोऽस्ति –
(1) गृहस्थस्य
(2) ब्रह्मचारिणः
(3) वानप्रस्थस्य
(4) परिव्राजकस्य

37. कौटिल्यानुसारं ब्रह्मचर्यं भवति –
(1) आद्वादशाद्वर्षात्
(2) आपञ्चदशाद्वर्षात्
(3) आषोडशाद्वर्षात्
(4) आपञ्चविंशाद्वर्षात्

38. "सहाध्यायिनोऽमात्यान् कुर्वीत" इति मतमस्ति –
(1) पिशुनस्य
(2) पराशरस्य
(3) विशालाक्षस्य
(4) भारद्वाजस्य

39. अर्थशास्त्रस्यं मंगलाचरणम् अस्ति –
(1) नमः पार्वतीपरमेश्वराभ्याम्
(2) नमः सरस्वतीगणेशाभ्याम्
(3) नमः शुक्रबृहस्पतिभ्याम्
(4) नमः राधाकृष्णाभ्याम्

40. कौटिल्यकृतार्थशास्त्रे अधिकरणानि सन्ति –
(1) 10 अधिकरणानि
(2) 15 अधिकरणानि
(3) 20 अधिकरणानि
(4) 25 अधिकरणानि

41. "आशुमृतकपरीक्षा" कस्मिन्नधिकरणे वर्णिता वर्तते ?
(1) तृतीयाधिकरणे
(2) चतुर्थाधिकरणे
(3) पञ्चमाधिकरणे
(4) षष्ठाधिकरणे

42. सप्तप्रकृतीनां वर्णनं विद्यते –
(1) कष्टकशोधने
(2) योगवृत्ते
(3) मण्डलयोनौ
(4) षाड्गुण्ये

43. याज्ञवल्क्यानुसारं द्वितीयविवाहावसरे परितोषार्थं दत्तं स्त्रीधनं कथ्यते –
(1) अध्यग्न्युपागतम्
(2) शुल्कम्
(3) आधिवेदनिकाद्यम्
(4) अन्वाधेयकम्

44. याज्ञवल्क्यस्मृतेः प्रसिद्धा टीका वर्तते ।
(1) धनिकस्य लोचन टीका
(2) व्यासस्य चषक टीका
(3) विज्ञानेश्वरस्य मिताक्षरा टीका
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

45. मनुस्मृत्यनुसारं ब्राह्मणस्य केशान्तसंस्कारो विधीयते –
(1) षोडशे वर्षे
(2) अष्टादशे वर्षे
(3) द्वाविंशे वर्षे
(4) चतुर्विंशे वर्षे

46. मनुस्मृत्यनुसारं राज्ञः उपवीतं स्यात् –
(1) कार्पासमयम्
(2) शणसूत्रमयम्
(3) आविकसौत्रिकम्
(4) क्षौममयम्

47. मनूक्तदिशा कृतयुगे नृणां परं धर्म उच्यते –
(1) तपः
(2) ज्ञानम्
(3) यज्ञः
(4) दानम्

48. मनुवचनानुसारं श्रेष्ठदुर्गं भवति –
(1) धन्वदुर्गम्
(2) महीदुर्गम्
(3) जलदुर्गम्
(4) गिरिदुर्गम्

49. अशोकस्य रुमिन्देईस्तम्भलेखे वर्णनमस्ति –
(1) राजगृहयात्रावर्णनम्
(2) लुम्बिनीयात्रावर्णनम्
(3) विदिशायात्रावर्णनम्
(4) पाटलिपुत्रयात्रावर्णनम्

50. अशोकस्य शहबाजगढीशिलाभिलेखस्य लिपिः वर्तते –
(1) ब्राह्मीलिपिः
(2) खरोष्ठीलिपिः
(3) यूनानीलिपिः
(4) अरमाईकलिपिः

51. जेम्सप्रिंसेपः कस्मिन् वर्षे देहलीस्थं टोपरा स्तम्भलेखं पूर्णं पठितवान् ?
(1) 1835 तमे वर्षे
(2) 1836 तमे वर्षे
(3) 1837 तमे वर्षे
(4) 1838 तमे वर्षे

52. कस्मिन् शिलाभिलेखे 'प्रियदर्शी अशोक" इति नामोल्लेखः प्राप्यते ?
(1) सहसरामशिलाभिलेखे
(2) मास्कीशिलाभिलेखे
(3) सिद्धगिरिशिलाभिलेखे
(4) सिद्धपुरशिलाभिलेखे

53. अज-इन्दुमत्योर्विवाहवर्णनं रघुवंशे वर्तते –
(1) पञ्चमसर्गे
(2) षष्ठसर्गे
(3) सप्तमसर्गे
(4) अष्टमसर्गे

54. सिद्धार्थस्य बुद्धत्वप्राप्तिवर्णनं बुद्धचरितस्य कस्मिन् सर्गे लभ्यते ?
(1) पञ्चमसर्गे
(2) नवमसर्गे
(3) एकादशसर्गे
(4) चतुर्दशसर्गे

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

55. बुद्धचरितस्य अश्वघोषेण विरचिताः कियन्तः मौलिकसर्गाः उपलभ्यन्ते ?
(1) चतुर्दशसर्गाः
(2) अष्टादशसर्गाः
(3) चतुर्विंशतिसर्गाः
(4) अष्टाविंशतिसर्गाः

56. महाकविभासस्य रामायणाश्रितं नाटकं विद्यते –
(1) पञ्चरात्रम्
(2) अभिषेकनाटकम्
(3) दूतवाक्यम्
(4) अविमारकम्

57. स्वप्नवासवदत्तमिति नामकरणस्याधारभूतं स्वप्नदृश्यं कस्मिन्नङ्के विद्यते ?
(1) तृतीयाङ्के
(2) चतुर्थाङ्के
(3) पञ्चमाङ्के
(4) षष्ठाङ्के

58. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य नायकः दुष्यन्तो वर्तते –
(1) धीरोदात्तः
(2) धीरोद्धतः
(3) धीरललितः
(4) धीरप्रशान्तः

59. अभिज्ञानशाकुन्तलस्याधारभूता कथा महाभारतस्य कस्मिन् पर्वणि प्राप्यते ?
(1) आदिपर्वणि
(2) सभापर्वणि
(3) अरण्यपर्वणि
(4) उद्योगपर्वणि

60. चारुदत्तस्य पत्नी वर्तते –
(1) वसन्तसेना
(2) मदनिका
(3) धूता
(4) रदनिका

61. "लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभः ।
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता" इत्युक्तिरियं प्राप्यते –
(1) शिशुपालवधे
(2) नैषधीयचरिते
(3) मृच्छकटिके
(4) उत्तररामचरिते

62. मुद्राराक्षसनाटकस्य प्रमुखरसोऽस्ति –
(1) वीररसः
(2) शृङ्गारसः
(3) रौद्ररसः
(4) भयानकरसः

63. अधोलिखितेषु विदूषकरहितं नाटकमस्ति –
(1) स्वप्नवासवदत्तम्
(2) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(3) मुद्राराक्षसम्
(4) मृच्छकटिकम्

64. भवभूतेः शिखरिणीच्छन्दसः प्रशंसा केनाचार्येण विहिता ?
(1) धनपालेन
(2) गोवर्धनाचार्येण
(3) क्षेमेन्द्रेण
(4) राजशेखरेण

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

65. "पूरोत्पीडे तडागस्य परीवाहः प्रतिक्रिया ।
शोकक्षोभेचहृदयं प्रलापैरेव धार्यते ।।"
इत्युक्तिरस्ति –
(1) महावीरचरितस्य
(2) उत्तररामचरितस्य
(3) वेणीसंहारस्य
(4) मृच्छकटिकस्य

66. "मृगराजलक्ष्मा" इत्युपधिरस्ति –
(1) शूद्रकस्य
(2) भवभूतेः
(3) भट्टनारायणस्य
(4) विशाखदत्तस्य

67. चार्वाको नाम राक्षसः पात्रत्वेन वर्णितोऽस्ति –
(1) उत्तररामचरिते
(2) वेणीसंहारनाटके
(3) प्रतिमानाटके
(4) मुद्राराक्षसे

68. "यादृग्गद्यविधौ बाणः पद्यबन्धेऽपितादृशः" इति समालोचनं विहितमस्ति –
(1) भोजेन
(2) राजशेखरेण
(3) चन्द्रदेवेन
(4) धनपालेन

69. आख्यायिका भवति –
(1) प्राकृतभाषाबद्धा
(2) संस्कृतभाषाबद्धा
(3) अपभ्रंशभाषाबद्धा
(4) पालिभाषाबद्धा

70. दशकुमारचरिते मन्त्रगुप्तप्रयुक्तो निरोष्ठ्यवर्णप्रयोगो लभ्यते –
(1) पञ्चमोच्छ्वासे
(2) सप्तमोच्छ्वासे
(3) षष्ठोच्छ्वासे
(4) अष्टमोच्छ्वासे

71. दशकुमारचरिते राजवाहनस्य कति मित्राणि आसन् ?
(1) सप्त
(2) अष्टौ
(3) नव
(4) दश

72. उत्तररामचरिते छायाङ्कः वर्तते –
(1) प्रथम अङ्कः
(2) द्वितीय अङ्कः
(3) तृतीय अङ्कः
(4) चतुर्थ अङ्कः

73. "सदूषणाऽपि निर्दोषा सखराऽपि सुकोमला ।
नमस्तस्मै कृता येन रम्या रामायणी कथा ।।"
इत्युक्तिरस्ति –
(1) सोमदेवस्य
(2) भोजराजस्य
(3) दण्डिनः
(4) त्रिविक्रमभट्टस्य

74. "कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभवति" – इति वदति –
(1) प्रियंवदा
(2) अनसूया
(3) गौतमी
(4) शकुन्तला

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

75. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य चतुर्थाङ्कादौ प्रयुक्तौ विष्कम्भको वर्तते –
(1) शुद्धः
(2) मिश्रः
(3) उत्तमः
(4) अधमः

76. "भगवन् ! ओदकान्तं स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्य इति श्रूयते" इति वचनमस्ति –
(1) अनसूयायाः
(2) प्रियंवदायाः
(3) शार्ङ्गरवस्य
(4) शारद्वतस्य

77. "अवजानासि मां यस्मादतस्ते न भविष्यति ।
मत्प्रसूतिमनाराध्य प्रजेति .... ।" इति शशाप –
(1) सुरभिः
(2) नन्दिनी
(3) अहल्या
(4) अरून्धती

78. "सन्ततिः शुद्धवंश्या हि परत्रेह च शर्मणे" इत्युक्तिरस्ति –
(1) दिलीपस्य
(2) वशिष्ठस्य
(3) विश्वामित्रस्य
(4) अजस्य

79. अधोलिखितेषु मुनिरयं स्वकीयां मन्त्रपूतां तनुमपि अग्नौ अहौषीत् –
(1) शरभङ्गमुनिः
(2) अगस्त्यमुनिः
(3) सुतीक्ष्णमुनिः
(4) शातकर्णिः

80. "अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता" कथनमिदमस्ति –
(1) दुर्योधनस्य
(2) युधिष्ठिरस्य
(3) भीमस्य
(4) वनेचरस्य

81. मल्लिनाथानुसारं किरातार्जुनीयस्य प्रधानो रसो वर्तते –
(1) शृङ्गारः
(2) वीरः
(3) रौद्रः
(4) शान्तः

82. "अमर्षशून्येन जनस्य जन्तुना न जातहार्देन न विद्विषादरः" उक्तिरियं निगदिता वर्तते –
(1) वनेचरेण
(2) भीमेन
(3) द्रोपद्या
(4) अर्जुनेन

83. "निराश्रया हन्त हता मनस्विता" इति सूक्तिरस्ति –
(1) कालिदासस्य
(2) माघस्य
(3) भारवेः
(4) भवभूतेः

84. रघुवंशस्य त्रयोदशे सर्गे नदीयं वर्णिता नास्ति –
(1) मन्दाकिनी
(2) नर्मदा
(3) सरयूः
(4) गोदावरी

85. शिशुपालवधे सर्गाः सन्ति –
(1) अष्टादश
(2) एकोनविंशतिः
(3) विंशतिः
(4) द्वाविंशतिः

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

86. नैषधीयचरिते पञ्चनलीप्रसङ्गे वर्णितोऽस्ति –
(1) पञ्चमसर्गे
(2) नवमसर्गे
(3) त्रयोदशसर्गे
(4) सप्तदशसर्गे

87. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य प्रधानरसो वर्तते –
(1) वीरः
(2) शृङ्गारः
(3) करुणः
(4) शान्तः

88. "श्रेयसि केन तृप्यते" इति सूक्तिरस्ति –
(1) कुमारसंभवस्य
(2) शिशुपालवधस्य
(3) रघुवंशस्य
(4) किरातार्जुनीयस्य

89. पार्वती उद्वासतत्परा रात्री निनाय –
(1) मार्गशीर्षमासस्य
(2) पौषमासस्य
(3) कार्तिकमासस्य
(4) माघमासस्य

90. "मनोरथानामगतिर्न विद्यते" इति वचनमस्ति –
(1) ब्रह्मचारिणः
(2) पार्वतीवयस्यायाः
(3) मेनायाः
(4) पार्वत्याः

91. कादम्बर्याः कथा प्रेरिता वर्तते –
(1) सुमनोत्तरया
(2) भैमरथ्या
(3) बृहत्कथया
(4) वासवदत्तया

92. "हर्षचरितम्" इत्यस्मिन् ग्रन्थे उच्छ्वासाः सन्ति –
(1) 6
(2) 7
(3) 8
(4) 10

93. "वाणी बाणो बभूवेति" इत्याभाणकं वर्तते –
(1) धनपालस्य
(2) गोवर्धनाचार्यस्य
(3) श्रीचन्द्रदेवस्य
(4) राजशेखरस्य

94. पम्पासरसः कस्मिन् तीरे स्थितो जीर्णः शाल्मलीवृक्षः ?
(1) पूर्वे
(2) पश्चिमे
(3) उत्तरे
(4) दक्षिणे

95. "स्तनयुगमश्रुस्नातं समीपतरवर्तिहृदयशोकाग्नेः ।
चरति विमुक्ताहारं व्रतमिव भवतो रिपुस्त्रीणाम् ।।"
इतीमां आर्यां पपाठ –
(1) मातङ्गकुमारी
(2) कुमारपालितः
(3) वैशम्पायनः
(4) प्रतिहारी

96. "अत्रिख्यातिः" रचना वर्तते –
(1) पं. मथुरानाथशास्त्रिणः
(2) पं. गिरिधरशर्मणः
(3) पं. मधुसूदनओझावर्यस्य
(4) पं. विद्याधरशास्त्रिणः

97. पं. श्रीरामदेववर्यस्य महाकाव्यमस्ति –
(1) साकेतसंगरम्
(2) जानकीजीवनम्
(3) श्रीहनुमद्दूतम्
(4) दशकण्ठवधम्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

98. कादम्बिनीग्रन्थस्य रचनाकारो वर्तते –
(1) डॉ. प्रभाकरशास्त्री
(2) डॉ. हरिराम आचार्यः
(3) भट्टमथुरानाथशास्त्री
(4) पं. मधुसूदन औझा

99. निम्नलिखितेषु महाकाव्यं नास्ति –
(1) हरनामामृतम्
(2) राजलक्ष्मीस्वयंवरम्
(3) वासुदेवचरितम्
(4) भृत्याभरणम्

100. "मक रन्दिका" चम्पूकाव्यं केन विरचितम् ?
(1) पं. विद्याधरशास्त्रिणा
(2) पं. जगदीशचन्द्राचार्येण
(3) पं. गणेशरामशर्मणा
(4) पं. नवलकिशोरकांकरेण

101. पं. गणेशरामशर्मणः काव्यरचना वर्तते –
(1) लक्ष्मणाभ्युदयम्
(2) कृष्णराजाभ्युदयम्
(3) कृष्णराजप्रभावोदयम्
(4) यशोधरचरित्रम्

102. रामचरिताब्धिरत्नमिति महाकाव्ये सर्गाः सन्ति –
(1) विशंतिसर्गाः
(2) अष्टादशसर्गाः
(3) पञ्चदशसर्गाः
(4) चतुर्दशसर्गाः

103. "हनुमद्दूतम्" इति खण्डकाव्यस्य रचनाकारो वर्तते –
(1) प्रभाकरशास्त्री
(2) सूर्यनारायणशास्त्री
(3) पं. नित्यानन्दशास्त्री
(4) पं. विद्याधरशास्त्री

104. निम्नलिखितेषु पं. विद्याधरशास्त्रिणो रचना न वर्तते –
(1) वैचित्र्यलहरी
(2) मत्तलहरी
(3) लीलालहरी
(4) काव्यलहरी

105. "हरनामामृतम्" इत्यस्मिन् महाकाव्ये सर्गाः सन्ति –
(1) 15 सर्गाः
(2) 16 सर्गाः
(3) 17 सर्गाः
(4) 18 सर्गाः

106. "गिरिधरसप्तशती" इति ग्रन्थस्य रचयिता वर्तते –
(1) पं. गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी
(2) पं. गिरिधरव्यास शास्त्री
(3) पं. गिरिधरशर्मा 'नवरत्न'
(4) पं. गिरिधरद्विवेदी

107. भट्टमथुरानाथशास्त्रिणो रचना वर्तते –
(1) जगद्गुरुवैभवम्
(2) साहित्यवैभवम्
(3) महर्षिकुलवैभवम्
(4) काव्यवैभवम्

108. "किन्तोः कुटिलता" इत्यस्य ललितनिबन्धस्य लेखको वर्तते –
(1) पं. रामप्रतापशास्त्री
(2) डॉ. ब्रह्मानन्दशर्मा
(3) पं. विश्वेश्वरनाथ 'रेऊ'
(4) भट्टमथुरानाथशास्त्री

109. डॉ. ब्रह्मानन्दशर्मणः काव्यशास्त्रीया रचना नास्ति –
(1) वस्त्वलङ्कारदर्शनम्
(2) अभिनवरसमीमांसा
(3) काव्यसत्यालोकः
(4) तत्त्वशतकम्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

110. "दशकण्ठवधम्" वर्तते –
(1) महाकाव्यम्
(2) खण्डकाव्यम्
(3) चम्पूकाव्यम्
(4) नाटकम्

111. "चातुर्वर्ण्यशिक्षा" इति रचनायाः रचयिता वर्तते –
(1) पं. गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी
(2) पं. दुर्गाप्रसाद द्विवेदी
(3) पं. हरिद्विजः
(4) पं. हरिशास्त्री दाधीचः

112. "चातुर्वण्यम्" इत्यस्य लेखकोऽस्ति –
(1) पं. गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी
(2) पं. दुर्गाप्रसाद द्विवेदी
(3) पं. रामप्रताप शास्त्री
(4) पं. हरिद्विजः

113. "कल्पलता" इत्यस्मिन् काव्ये प्रमुखतया वर्णनमस्ति –
(1) दुर्गायाः
(2) सीतायाः
(3) राधायाः
(4) अन्नपूर्णायाः

114. अधोलिखितेषु आधुनिकतमः स्मृतिग्रन्थो वर्तते –
(1) शंखस्मृतिः
(2) विश्वेश्वरस्मृतिः
(3) गौतमस्मृतिः
(4) हारीतस्मृतिः

115. पं. गिरिधरव्यासशास्त्रिणः कृष्णाराधनपरा काव्य-रचना वर्तते –
(1) श्रीकृष्णचरितम्
(2) श्रीकृष्णविलासः
(3) गोविन्दवैभवम्
(4) वासुदेवचरितम्

116. कौलविलासस्य रचनाकारो वर्तते –
(1) पं. हरिद्विजः
(2) पं. हरिशास्त्री दाधीचः
(3) पं. नवलकिशोरकांकरः
(4) पं. नारायणकांकरः

117. "यात्राविलासम्" वर्तते –
(1) कथा
(2) उपन्यासः
(3) ललितनिबन्धः
(4) आख्यायिका

118. पण्डितमधुसूदनओझारचितेषु दशवादेषु नैषो गण्यते –
(1) रजोवादः
(2) व्योमवादः
(3) अम्भोवादः
(4) तमोवादः

119. "वियोगशतकम्" इति खण्डकाव्यस्य रचयिता वर्तते –
(1) डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
(2) पं. श्रीराम दवे
(3) पं. जगदीशचन्द्राचार्यः
(4) पं. नित्यानन्दशास्त्री

120. "नृसिंहमायाशतकम्" इत्यस्मिन् काव्ये मुख्यतया छन्दो वर्तते –
(1) शार्दूलविक्रीडितम्
(2) मन्दाक्रान्ता
(3) वसन्ततिलका
(4) शिखरिणी

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

121. "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि" इत्यत्र तत्पदेनाभीष्टं वर्तते –
(1) काव्यकारणम्
(2) काव्यस्वरूपम्
(3) काव्यलक्षणम्
(4) काव्यम्

122. "तत कान्तेव सरसतापादनेनाभिमुखीकृत्य रामादिवद् वर्तितव्यं न रावणादिवदित्युपदेशं च यथायोगं कवेः सहृदयस्य च करोति" इति कथनमस्ति –
(1) विश्वनाथस्य
(2) मम्मटस्य
(3) आनन्दवर्धनस्य
(4) जगन्नाथस्य

123. वाच्यादनतिशायिनि व्यङ्ग्ये काव्यं भवति –
(1) अधमकाव्यम्
(2) मध्यमकाव्यम्
(3) उत्तमकाव्यम्
(4) उत्तमोत्तमकाव्यम्

124. "शब्दचित्रं वाच्यचित्रमव्यङ्ग्यं त्ववरं स्मृतम्" इत्यत्र अव्यङ्ग्यमित्यस्य मम्मटोक्तं व्याख्यानमस्ति –
(1) व्यङ्ग्यरहितम्
(2) ईषत् व्यङ्ग्यसहितम्
(3) स्फुटप्रतीयमानार्थसहितम्
(4) स्फुटप्रतीयमानार्थरहितम्

125. "अपोहोवा शब्दार्थः" इत्यत्र संसूचितमस्ति –
(1) नैयायिकमतम्
(2) बौद्धमतम्
(3) प्रभाकरमतम्
(4) [illegible]

126. "कुन्ताः प्रविशन्ति" इत्युदाहरणं वर्तते –
(1) लक्षणलक्षणायाः
(2) उपादानलक्षणायाः
(3) आरोपालक्षणायाः
(4) साध्यवसानालक्षणायाः

127. गौणीसाध्यवसानालक्षणाया उदाहरणमिदमस्ति –
(1) आयुर्घृतम्
(2) गौर्वाहीक
(3) आयुरेवेदम्
(4) गौरयम्

128. "इन्द्रार्था स्थूणा इन्द्र" इत्यत्र लक्षणा वर्तते –
(1) तादर्थ्यात्
(2) कार्यकारणभावात्
(3) स्वस्वामिभावात्
(4) तात्कर्म्यात्

129. मम्मटानुसारं संवित्तिर्वर्तते –
(1) ज्ञानम्
(2) ज्ञानफलम्
(3) ज्ञानविषयः
(4) नैतत्त्रयम्

130. "पातु वो दयितामुखम्" इत्युदाहरणे 'मुख' मिति पदस्यार्थनियामकता निश्चिता वर्तते –
(1) मुख्यार्थे
(2) मुखार्थे
(3) प्रारम्भार्थे
(4) साम्मुख्यार्थे

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams
1 Year Full Access
50,000+ Mock tests
10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

131. रससूत्रे "संयोगाद्" इत्यस्य "गम्यगमकभावरूपाद्" इत्यर्थः कस्य आचार्यस्य मतेऽस्ति ?
(1) भट्टलोल्लटस्य
(2) शंकुकस्य
(3) भट्टनायकस्य
(4) आनन्दवर्धनस्य

132. निम्नलिखितेषु व्यभिचारिभावो नास्ति –
(1) निर्वेदः
(2) विस्मयः
(3) हर्षः
(4) अमर्षः

133. "शरेषुयुगखेन्दवः" इत्यादिना ध्वनेः भेदा उक्ताः सन्ति –
(1) 55401
(2) 10404
(3) 10455
(4) 7420

134. अङ्गस्यातिविस्तरेण वर्णनात्मको रसदोषो वर्तते –
(1) कुमारसंभवे कुमारवर्णने
(2) कुमारसंभवे रतिविलापवर्णने
(3) हयग्रीववधे हयग्रीववर्णने
(4) शिशुपालवधे नारदवर्णने

135. कुमारसंभवे रतिविलापे मम्मटानुसारं रसदोषो वर्तते –
(1) अङ्गिनोऽननुसन्धानम्
(2) अकाण्डे प्रथनम्
(3) अकाण्डे छेदः
(4) दीप्तिः पुनः पुनः

136. माधुर्यगुणः कस्मिन् रसे अधिकतमो भवति ?
(1) शृङ्गारे
(2) करुणे
(3) विप्रलम्भे
(4) शान्ते

137. कस्मिन् काव्यगुणे वृत्तिदैर्घ्यं भवति ?
(1) माधुर्ये
(2) ओजसि
(3) प्रसादे
(4) न क्वापि

138. एकस्य अनेकस्य वा व्यञ्जनस्य द्विर्बहुकृत्वो वा सादृश्यं भवति –
(1) छेकानुप्रासः
(2) वृत्त्यनुप्रासः
(3) लाटानुप्रासः
(4) यमकम्

139. अधोलिखितेषु श्लेषालङ्कारभेदो नास्ति –
(1) वर्णश्लेषः
(2) पदश्लेषः
(3) वचनश्लेषः
(4) वाक्यश्लेषः

140. "साधर्म्यमुपमाभेदे" इत्यत्र भेदग्रहणमस्ति –
(1) उत्प्रेक्षाव्यवच्छेदाय
(2) रूपकव्यवच्छेदाय
(3) अनन्वयव्यवच्छेदाय
(4) अपह्नुतिव्यवच्छेदाय

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

141. अनपह्नुतभेदयोः उपमानोपमेययोः योऽभेदः स भवति –
(1) उपमेयोपमालङ्कारः
(2) अपह्नुति–अलङ्कारः
(3) अतिशयोक्त्यलङ्कारः
(4) रूपकालङ्कारः

142. भरतानुसारं नाट्ये रसाः संगृहीताः सन्ति –
(1) ऋग्वेदात्
(2) सामवेदात्
(3) यजुर्वेदात्
(4) अथर्ववेदात्

143. ब्रह्माज्ञया नाट्ये योजिता वृत्तिरस्ति –
(1) भारती
(2) कैशिकी
(3) सात्वती
(4) आरभटी

144. स्त्रीजनादृते का वृत्तिः प्रयोक्तुमशक्या वर्तते –
(1) भारती
(2) सात्वती
(3) आरभटी
(4) कैशिकी

145. "नानाभावोपसंपन्नं नानावस्थान्तरात्मकम् ।
लोकवृत्तानुकरणं नाट्यमेतन्मया कृतम् ।।" इत्यत्र "मया" इतिपदेनाभिहितो वर्तते –
(1) भरतः
(2) ब्रह्मा
(3) महेन्द्रः
(4) [illegible]

146. नाट्यशास्त्रानुसारं दण्डो भवति –
(1) त्रिहस्तः
(2) चतुर्हस्तः
(3) पञ्चहस्तः
(4) सप्तहस्तः

147. भरतानुसारं मर्त्यलोके सर्वेषां प्रेक्षागृहाणां श्रेष्ठं भवति –
(1) ज्येष्ठम्
(2) मध्यमम्
(3) कनीयः
(4) नैतत्त्रयम्

148. कीदृशं रङ्गशीर्षं प्रशस्यते –
(1) कूर्मपृष्ठम्
(2) मत्स्यपृष्ठम्
(3) शुद्धादर्शतलाकारम्
(4) नतोन्नततलाकारम्

149. भरतानुसारं नाट्ये रसाः स्मृताः सन्ति –
(1) अष्टौ
(2) नव
(3) दश
(4) एकादश

150. निम्नलिखितेषु सात्त्विकभावो वर्तते –
(1) हर्षः
(2) आवेगः
(3) रोमाञ्चः
(4) गर्वः

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams
1 Year Full Access
50,000+ Mock tests
10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER